भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 335

01.12.2015 को उत्तर के लिए

पक्षियों पर विकिरण का प्रभाव

335. श्री दुष्यंत चौटाला:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा प्रदूषित पर्यावरण दशाओं और सेल फोन टॉवरों के विकिरण से पक्षियों के जीवन पद्धति में परिवर्तन संबंधी कोई अध्ययन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में पक्षियों की कुछ प्रजातियों की घटती संख्या के कारणों का पता लगाया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) और **(ख)** सेल फोन टावरों से विकिरण सहित प्रदूषित पर्यावरणीय स्थितियों के कारण पक्षियों की जीवन पद्धति में परिवर्तनों के संबंध में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कोई अध्ययन प्रारंभ नहीं कराए गए हैं। तथापि, इस मंत्रालय ने 30 अगस्त 2010 को डा. असद रहमानी, निदेशक, बम्बई प्राकृतिक विज्ञान समिति की अध्यक्षता में 'पक्षियों तथा मक्खियों सहित वन्यजीव पर संचार टावरों के संभावित प्रभावों का अध्ययन कराने हेतु विशेषज्ञ समिति' गठित की थी। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट ने अनुसार, इस बात के संकेत है कि विद्युत चुंबकीय विकिरण पशुओं, पक्षियों और कीटों की जैविक प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं। तदनुसार मंत्रालय ने इस परिप्रेक्ष्य में दूरसंचार विभाग, राज्य/संघ शासित सरकारों, पंचायतीराज मंत्रालय जैसे संबंधित संगठनों को उनकी सूचना तथा अपेक्षित कार्रवाई हेतु परामर्शिका जारी की है।

(ग) और **(घ)** पक्षियों और वन्यजीवों की संख्या में उतार-चढ़ाव एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। इन्टरनेशनल यूनियन फॉर कन्सर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) रेड लिस्ट के अनुसार, पक्षियों की संख्या में गिरावट के प्रमुख कारण हैं:- पर्यावरण की क्षति, परिवर्तन, विखंडन और अवक्रमण, पर्यावरणीय प्रदूषण, अवैध शिकार भू-उपयोग में परिवर्तन विशेषक गहन फसल उगाने के लिए बड़े क्षेत्रों का परिवर्तन, सिंचाई स्कीमों के कार्यान्वयन सहित विभिन्न कारणों से फसल पद्धति कीटनाशी उपयोग एवं पशुधन चराई व्यवधान के उच्च स्तर, खनन और जलीय परियोजनाओं जैसे विकासात्मक कार्यकलाप। वाहनों के साथ टकराव, विद्युत-लाईनों और पवन चक्कियों जैसे अवसंरचना विकास द्वारा उत्पन्न खतरे स्थिति को और अधिक जटिल बनाते हैं।

****